भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा वर्ष 2024-25 में निम्नलिखित कार्य किए गए:-

हिन्दी काव्य संध्या का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में दिनांक 15 अप्रैल, 2024 को हिन्दी काव्य संध्या का आयोजन किया गया। इसमें आमंत्रित मुख्य अतिथियों में हास्य कवि श्री दिनेश विरेन्द्र मिश्र, जो कि **श्री दिनेश बावरा** के नाम से प्रसिद्ध हैं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में कार्यरत सहायक प्राध्यापक, **डॉ. विवेक विजय** और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक, **श्री शुभम पाण्डेय** थे। हमारे संस्थान के छात्र सचिवालय के अधिष्ठाता, डॉ. हितेश श्रीमाली ने सभी कवियों का स्वागत करते हुए उन्हें हिमाचली शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। श्री दिनेश बावरा ने अपनी हास्य कविताओं से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस संस्थान में उनकी प्रस्तुति शानदार रही। डॉ. विवेक विजय का कुशल मंच संचालन उल्लेखनीय था। उनकी शब्दावली और वाक्पटुता सराहनीय थी। श्री शुभम पाण्डेय ने युवा विद्यार्थियों की मानसिकता को देखते हुए अपनी आकर्षक प्रस्तुति से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। सभी श्रोताओं ने उनकी मनमोहक प्रस्तुति का आनन्द लेते हुए उनके सम्मान में खड़े होकर तालियाँ भी बजाई।

इसके अतिरिक्त, हमारे संस्थान के कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा), श्री नितिन सिंह तोमर, सह प्राध्यापक, डॉ. दीपक स्वामी और छात्र सचिवालय के अधिष्ठाता, डॉ. हितेश श्रीमाली ने भी स्वरचित कविताओं से सभी का मनोरंजन किया। अंत में, हमारे संस्थान की ओर से डॉ. हितेश श्रीमाली ने सभी आमंत्रित कवियों और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

दिनांक : 15 अप्रैल, 2024
स्थान : सभागार, उत्तरी परिसर, भा. प्रौ. सं. मण्डी
समय : सायं 5:00 बजे से 7:30 बजे तक

हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन

इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, **डॉ. राजीव कुमार रावत** द्वारा **'हिन्दी में आसानी से काम कैसे करें'** नामक विषय पर दिनांक 21 मई, 2024 को हिन्दी कार्यशाला का संचालन किया गया। हमारे संस्थान के उप कुलसचिव, श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला ने उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए उन्हें हिमाचली शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। डॉ. राजीव कुमार रावत ने प्रौद्योगिकी में हिन्दी ई-टूल्स के उपयोग की अद्यतन जानकारी कर्मचारियों को दी। इस कार्यशाला में लगभग 20 कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. राजीव कुमार रावत ने अनेक उदाहरण देकर अपने विषय को स्पष्ट किया। उन्होंने अपने कार्यालयीन अनुभव को साझा करते हुए इस पीढ़ी के युवाओं को अपनी भाषा को प्राथमिकता देने और अपने संस्कारों को बनाए रखने के लिए भी प्रेरित किया। इसका समापन होने के उपरांत सभी कर्मचारियों के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।

हिन्दी में काम करने की दक्षता बढ़ाने हेतु व्यक्तिगत प्रशिक्षण

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ के कर्मचारियों द्वारा संस्थान में दिनांक 3 जून से 30 जून, 2024 तक संस्थान के अनुभाग विशेष में ऑनडेस्क हिन्दी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्हें हिन्दी तिमाही रिपोर्ट भरने और भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा नीति के नियमों की जानकारी दी गई। हिन्दी में कार्यालयीन कार्य करने के लिए उनके सामने आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में इसके लिए योजना बनाने पर विचार किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा

हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 17.09.2024 से दिनांक 01.10.2024 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान दिनांक 17.09.2024 को हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। **डॉ. नमिता चन्द्रा**, सहायक लेखाधिकारी, प्रयागराज द्वारा दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को **"राजभाषा का अनुपालन तथा टिप्पणी, सार एवम् पत्र लेखन"** नामक विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिन्दी प्रभारी, डॉ. सौम्य मालवीय ने उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए उन्हें हिमाचली शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। डॉ. नमिता चन्द्रा ने दैनिक कार्यालयीन कार्य से कुछ उदाहरण देते हुए बहुत ही सरलता से प्रतिभागियों को समझाया। संस्थान में होने वाले दीक्षान्त समारोह में अनेक कर्मचारियों के कार्यरत रहने से कर्मचारियों की उपस्थिति कम थी। इसके अंत में, सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।

- सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में हिन्दी टाइपिंग, निबन्ध लेखन, कविता पाठ, कार्यालयीन अनुवाद, नोटिंग और ड्राफ्टिंग, पोस्टर मेकिंग, वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताएँ प्रस्तावित थीं। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार की राशि क्रमशः 5000/-रु., 3000/- रु. और 2000/- रु. थी। इसके अतिरिक्त, सभी प्रतियोगिताओं में दो-दो सान्त्वना पुरस्कार (प्रत्येक की राशि,1000) भी प्रस्तावित थे। इस वर्ष हिन्दी पखवाड़े के दौरान हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी भी प्रस्तावित थी।

हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी

हमारे संस्थान में दिनांक 30 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी लगवाई गई। इसका उद्घाटन संस्थान के कुलसचिव, डॉ. कुमार सम्भव पाण्डेय द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में हिन्दी साहित्य जगत् के प्रसिद्ध लेखकों और प्रकाशकों की रचनाएँ शामिल थीं।

पुरस्कार समारोह का आयोजन

हमारे संस्थान में दिनांक 14 अक्टूबर, 2024 को पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मंच संचालन कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा) श्री नितिन सिंह तोमर ने किया। इसमें मुख्य अतिथि डॉ. कुमार सम्भव पाण्डेय थे। उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप स्मारिका भेंट कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त, विजेताओं के लिए प्रमाण पत्र और पुरस्कार की राशि भी प्रस्तावित थी। प्रतियोगिताओं में विजेताओं का निर्णय करने के लिए निर्मित निर्णायक मण्डल को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान में लागू हिन्दी प्रोत्साहन योजना में विजयी प्रतिभागियों को भी पुरस्कार स्वरूप स्मारिका भेंट कर सम्मानित किया। उनके लिए भी पुरस्कार की राशि और प्रमाण पत्र प्रस्तावित थे।

हिन्दी पत्रिका “उहल” का विमोचन

हमारे संस्थान की हिन्दी पत्रिका “उहल” के तीसरे अंक का विमोचन दिनांक 14 अक्टूबर, 2024 को किया गया। इसके लिए संस्थान के कुलसचिव डॉ. कुमार सम्भव पाण्डेय ने पत्रिका के प्रकाशन में योगदान देने वाले लेखकों और सम्पादन मण्डल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिक्षित हिन्दी भाषी कर्मचारियों की सराहना करते हुए सभी को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही, भविष्य में पत्रिका की प्रतिलिपियों की संख्या बढ़ाने का भी परामर्श दिया।

- **डॉ. धर्मपाल कपूर**, सेवा निवृत्त प्राध्यापक, सरकारी वल्लभ महाविद्यालय मण्डी, ज़िला मण्डी द्वारा दिनांक 24 दिसम्बर, 2024 को **"कार्यालय प्रविधि"** नामक विषय पर हिन्दी कार्यशाला का संचालन किया गया। हमारे संस्थान के हिन्दी प्रभारी, डॉ. सौम्य मालवीय के वक्तव्य द्वारा इस कार्यशाला का आरम्भ हुआ। उन्होंने डॉ. धर्मपाल कपूर का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उन्हें हिमाचली शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। डॉ. धर्मपाल कपूर हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक हैं। उन्होंने कार्यालय में प्रयोग किए जाने वाली भाषा, निर्धारित वाक्यावली, संक्षेपण को समाहित करते हुए व्याख्यान दिया। उनकी हिन्दी भाषा में 115 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने भविष्य में हिन्दी साहित्य से जुड़ी विधाओं पर विचार रखने का भी सुझाव दिया। उन्होंने हमारे संस्थान के लिए अपनी कुछ पुस्तकें भी भेंट में दी। इस कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी।

- **डॉ. होशियार सिंह**, सहायक प्राध्यापक, राजकीय वल्लभ महाविद्यालय मण्डी, ज़िला मण्डी द्वारा दिनांक 25.03.2025 को **"टिप्पणी और प्रतिवेदन"** नामक कार्यशाला का संचालन किया गया। इसके आरम्भ में हमारे संस्थान के हिन्दी प्रभारी, डॉ. सौम्य मालवीय ने उन्हें हिमाचली शॉल और टोपी पहनाकर तथा स्मारिका भेंट देकर सम्मानित किया। डॉ. होशियार सिंह ने बहुत ही रोचकता से अपने विषय को स्पष्ट करते हुए कार्यालयीन कार्य में प्रयोग किए जाने वाली टिप्पणियों और प्रतिवेदन की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए कर्मचारियों का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने इसके अभाव में होने वाले दुष्परिणामों से भी अवगत करवाया। उन्होंने सरकारी कार्यालयों में प्रयोग किए जाने वाले पत्रों के प्रारूप की भी उपयोगी जानकारी दी। इस कार्यशाला में लगभग 15 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के अंत में जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।